

प्रेषक,

किशन नाथ,

अपर सचिव

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

उद्यान भवन चौबटिया रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 23 दिसम्बर, 2006

विषय:-वित्तीय वर्ष 2006-07 में जड़ी-बूटी शोध संस्थान हेतु प्राविधानित कुल धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि में से रु0 100.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक जड़ी-बूटी के पत्रांक-1071/ज0बू0स0/304/2006-07, दिनांक 02 नवम्बर, 2006 के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्ताव के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, से सम्बन्धित विभिन्न व्ययों की प्रतिपूर्ति हेतु कुल प्राविधानित धनराशि रु0 2.50 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में शासनादेश सं0-496/XVI/06/7 (30)/2006, दिनांक 22 मई, 2006 द्वारा अवमुक्त रुपये 1.00 करोड़ की धनराशि के अतिरिक्त अवशेष धनराशि में से रु0 100.00 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वहन/आवंटन में रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्य एवं वार्षिक कार्ययोजना में सम्मिलित प्राविधानों के लिये ही किया जायेगा।
2. उक्त स्वीकृति धनराशि का व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-908/XXVII/(1)/2006 दिनांक 24 अप्रैल, 2006 में दिये गये निर्देशों एवं शासन से समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों तथा बजट मैनुअल के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
3. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
4. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उलबध करायी जाय जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने के पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
6. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही ..

2/-

- है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
7. व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय। तथा धनराशि का आहरण / व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
 8. उपरोक्त स्वीकृति धनराशि अविलम्ब निदेशक, जड़ी-बूटी शोध संस्थान को उपलब्ध कराई जायेगी।
 9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान सं0-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00 आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-09-जड़ी-बूटी शोध संस्थान को अनुदान-20-सहायक अनुदान / अंशदान / राजसहायता के नामे डाला जायेगा।
 10. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-773/वित्त अनुभाग-4/2006 दिनांक-20/12/2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(किशन नाथ)
अपर सचिव।

संख्या-1706/XVI/06/7(30)/06, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2-समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 4-निदेशक, जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर चमोली।
- 5-वित्त अनुभाग-4, उत्तरांचल शासन।
- 6-बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन, निदेशालय, उत्तरांचल।
- 7-राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8-निजी सचिव, मा0 उद्यान मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 9-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव